an>

Title: Need to supply coal to Maithan Thermal Power station from ECL and BCCL Coal India Unit.

श्री रवीन्द्र कुमार पाण्डेय (गिरिडीह) : सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से दामोदर वेली कॉर्पोरेशन और टाटा पावर के ज्वाइंट वेंचर मैथन थर्मल पावर स्टेशन की ओर आपका ध्यान आकृष्ट कराना चाहता हूं। दामोदर वेली कॉर्पोरेशन आज एक हजार करोड़ रुपये के नुकसान पर चल रहा है। मैथन थर्मल पावर स्टेशन में जो कोयला है, वह 125 किलोमीटर की दूरी से सीसीएल ढोंरी क्षेत्र से जा रहा है, जबकि ईसीएल, बीसीसीएल कोल इण्डिया की इकाई है उसमें उक्त पॉवर प्लांट के लिए कोयला उपलब्ध है और इनकी दूरी वहां से मात्र 50 किलोमीटर है। अगर वहां से कोयला मैथन थर्मल पावर स्टेशन को मिले तो जो राजस्व भारत सरकार का जा रहा है, उसमे बचत होगी। कोल माफिया इसमें लगे हुए हैं, जो रास्ते में कोयले को बेच देते हैं, साथ ही साथ रिजैक्टिड कोल वहां जा रहा है, जिससे कि पावर जनरेशन भी कम हो रहा है। इस विषय को कोल कंसलटेटिव कमेटी में भी हम लोगों ने उठाया था, लेकिन दुर्भाग्य है कि इस पर पिछली सरकार के द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गयी। मैं आपके माध्यम से भारत सरकार से मांग करता हूं कि अविलम्ब इसकी जांच करवायी जाए और ईसीएल और बीसीसीएल से मैथन थर्मल पावर स्टेशन को कोयला दिया जाए और साथ ही साथ जितने भी थर्मल पावर स्टेशन्स हैं, उनके नज़दीक में जो कोलरीज़ हैं, वहां से उनको कोयला उपलब्ध करवाया जाए ताकि माफियागिरी उसमें न हो और भारत सरकार का राजस्व भी बर्बाद न हो।